

## चेहरा नहीं, चरित्र बनाएँ सुन्दर

गुरुदेव ने प्रवचन के दौरान एक 30 वर्षीय युवक को खड़ा कर पूछा - आप मुंबई में जुहू चौपाटी पर चल रहे हैं और सामने से सुंदर महिला आ रही है तो क्या करोगे ?

**युवक ने कहा** - उस पर नज़र जाएगी, उसे देखने लगेंगे ।

**गुरुदेव ने पूछा** - वह महिला आगे बढ़ गई तो क्या पीछे मुड़कर भी देखोगे ?

**उन्होंने कहा** - हाँ अगर धर्मपत्नी साथ नहीं है तो ।

( सभा में हँसी) **गुरुदेव ने फिर पूछा** - ज़रा यह बताओ वह सुंदर चेहरा आपको कब तक याद रहेगा ?

**युवक ने कहा** - 5- 10 मिनट तक जब तक कोई दूसरा सुंदर चेहरा सामने न आ जाए ।

**गुरुदेव ने उनसे कहा** - अब ज़रा सोचिए आप जोधपुर से मुम्बई जा रहे हैं और मैंने आपको एक पुस्तकों का पैकेट देते हुए कहा कि मुम्बई में अमुक महानुभाव के यहाँ यह पैकेट पहुँचा देना । आप पैकेट देने मुम्बई में उनके घर गए । उनका घर देखा तो पता चला कि ये तो बड़े अरबपति हैं । घर के बाहर 10 गाड़ियाँ और 5 चौकीदार खड़े हैं । आपने पैकेट की सूचना भिजवाई तो वे खुद बाहर आए । आपसे पैकेट लिया । आप जाने लगे तो आपको आग्रह करके घर में ले गए । पास में बैठकर गरम खाना खिलाया । जाते समय आपसे पूछा - किसमें आए हो? आपने कहा - लोकल ट्रेन में । उन्होंने ड्राइवर को बोलकर आपको गन्तव्य तक पहुँचाने के लिए कहा और आप जैसे ही अपने स्थान पर पहुँचने वाले थे कि उस अरबपति महानुभाव का फोन आया - भैया आराम से पहुँच गए । अब आप बताइए कि आपको वे महानुभाव कब तक याद रहेंगे ?

**युवक ने कहा** - गुरुदेव, जिंदगी में मरते दम तक उस व्यक्ति को हम नहीं भूल सकते ।

**गुरुदेव ने युवक के माध्यम से सभा को संबोधित करते हुए कहा**- यह है जीवन की हकीकत । सुंदर चेहरा दो दिन याद रहता है पर हमारा सुंदर व्यवहार जीवन भर याद रहता है ।